मेट्रो-3 को पर्यावरण की मंजूरी

बीकेसी और धारावी को ग्रीन सिग्नल

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. कुलाबा से सीप्ज तक चलने वाली मेट्रो-3 के बीकेसी और धारावी में स्टेशन के निर्माण कार्य में आड़े आ रही पर्यावरण की दिक्कत खत्म हो गयी है. केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने वन संरक्षण विभाग से संबंधित अधिकारियों की सिफारिश के बाद मेट्रो-3 को मंजूरी दे दिया है. बीकेसी में 0.91 हेक्टेयर व धारावी में 0.34 हेक्टेयर जमीन पर निर्माण कार्य होना हैं. यह मेट्रो नरीमन पॉइंट से बीकेसी, एयरपोर्ट को जोड़ते हुए एमआईडीसी और सीप्ज तक चलेगी जो पश्चिम रेलवे के चर्चगेट, मुंबई सेन्ट्रल एवं महालक्ष्मी स्टेशन को कनेक्ट करेगी.

वहीं सेन्ट्रल लाइन की सीएसटी की भी कनेक्टविटी रहेगी. इसके साथ ही महालक्ष्मी में मोनोरेल को कनेक्ट होगी और मरोल नाका में मेट्रो-1 से जुड़ेगी. मेट्रो-3 को पूरा करने के लिए 2021 का लक्ष्य रखा गया है. इस मेट्रो का लाभ 14 लाख यात्रियों को मिलेगा. साल 2031 तक 17 लाख यात्री का बोझ यह मेट्रो उठाएगा.

स्टेशनों के नाम

कफ परेड, विधान भवन, चर्चगेट, हुतात्मा चौक, सीएसटी मेट्रो, कालबा देवी, गिरगांव, ग्रांटरोड, मुंबई सेंट्रल, महालक्ष्मी मेट्रो, साइंस म्यूजियम, आचार्य अत्रे चौक, वर्ली, सिद्धिविनायक, दादर मेट्रो, शीतला देवी, धारावी, बीकेसी मेट्रो, विद्यानगरी, सांताक्रुज, सीएसआईए, सहार रोड, सीएसटी इंटरनेशनल, मरोल नाका, एमआईडीसी, सीप्ज, आरे डिपो.

पर्यावरण मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद एमएमआरसी अब अपने कंस्ट्रक्शन वर्क को और तेजी से कर पाएगी. एमएमआरसी मैंग्रोव्स को पूरी तरह से बचाने की दिशा में भी काम कर रही है, जिसके लिए जल्द ही एक अलग यूनिट बनाने के लिए सरकार के सामने मंजूरी प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाएगा.

- अश्विनी भिडे, प्रबंध निदेशक, एमएमआरसी